जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 111 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 16 नवम्बर, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

अदालती आदेश के बाद भी नियुक्ति नहीं

जयपुर, 15 नवंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बाद भी अभ्यर्थी को पीटीआई पद पर नियुक्ति नहीं देने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने शिक्षा सचिव और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि क्यों ना उन्हें अदालती आदेश की अवमानना करने पर दंडित किया जाए। जस्टिस महेन्द्र

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने शिक्षा सचिव और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव को अवमानना नोटिस जारी किया।**

गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश नरेंद्र सिंह यादव की अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से आदेश की पालना के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने आदेश की पालना के लिए राज्य सरकार को 22 नवंबर तक का समय देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जनता ने तो मन बना लिया, नेताओं की महत्वाकांक्षा व जोड़-तोड़ की फितरत इसे स्वीकार नहीं कर पा रही

-विशेष प्रतिनिधि द्वारा-

जयपुर, 15 नवम्बर। महेश जोशी, पहली बार, जयपुर से एम.एल.ए. चुनाव जीतकर घर मिलने आये, अपनी जीत की खुशी शेयर करने। मैं अपने विस्मय को दबा नहीं पाया, महेश से पूछ ही बैठा, "भाई यह हुआ कैसे"?

"भाई साहब, मेरी पार्टी वाले (स्थापित नेता) मुझे हराने में लगे हुए थे, और भाजपा के नेतागण उनके पार्टी के प्रत्याशी, मेरे प्रतिद्वंदी की पराजय के प्रयास में जुटे थे। भाजपा वाले, ज्यादा संगठित थे, कांग्रेस के कार्यकर्ता सदा की भांति अव्यवस्थित (डिसऑर्गनाइज्ड) अतः भाजपा वाले अपने प्रयास में सफल हुए, और मैं जीत गया।"

2023 के विधानसभा के चुनाव की भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। जनता तो, भाजपा को 150-160 सीटों पर जिताना चाहती है, पर, दोनों स्थापित पार्टियों को शायद जनता का यह निर्णय गले नहीं उतर रहा, क्योंकि, ऐसे रिज़ल्ट में नेतागिरी का स्कोप कहां रह जाता है। रोज़-रोज़ के "करप्शन" ने, हर छोटे से छोटे काम के लिये पैसे मांगने व लेने के सरकारी सिस्टम ने, जनता का मनोबल तोड़ सा दिया था, और जनता ने इस सिस्टम में जीना सीख लिया था, पर, विधायक व सरकारी कर्मचारी की अकड़, व चोरी और ऊपर से सीना जोरी का कांटा, अन्दर तक चुभा था, जिसकी टीस व घाव गहरा था।

जनता विधायक का मुंह नहीं देखना चाहती थी, नया चेहरा चाहती थी, जिससे परिवर्तन की कम से कम कुछ आशा तो बने। पर, कांग्रेस के प्रभावी नेतागण, जनता को यह आशा भी नहीं देना चाहते थे। अधिकतर, वर्तमान विधायकों को "रिपीट" करने का निर्णय लिया गया, हालांकि, पार्टी के एक के बाद एक किये गये सर्वे लगातार वर्तमान विधायक के जीतने की संभावना नगण्य सी बता रहे थे। शायद, विधायक के भ्रष्टाचार को स्वीकार करने के अलावा, सरकार के पास कोई विकल्प था। क्योंकि, अगर विधायक "करप्ट" है, तो, "लॉजिकल इन्फरैंस" है, स्वाभाविक निष्कर्श है कि, सरकार "करप्ट" है और, ऐसा चेहरा लेकर सरकार, जनता के समक्ष चुनाव में कैसे जाती।

- **जनता असल में परिवर्तन चाहती है। मौजूदा विधायक का मुंह तक नहीं देखना चाहती। जिस पार्टी ने जितने नए चेहरे मदान में उतारे हैं उसे फायदा होने की संभावना है।**
- **कांग्रेस में चर्चा थी, नए चेहरे उतारे जाएंगे, पर, प्रदेश में पार्टी के कर्ता-धर्ता जनता के मन को या तो पढ़ नहीं पाए या समझना ही नहीं चाहते और अधिकतर विधायकों को "रिपीट" कर दिया, जबकि पार्टी के सर्वे तक उन विधायकों की हार तय बता रहे थे।**
- **अब हालत यह है कि, चुनाव में भाजपा जीत के ज्यादा नज़दीक मानी जा रही है, भाजपा हाईकमान ने सिर्फ पार्टी के प्रति निष्ठा को ही आधार बना कर टिकट दिया, बड़े नेताओं, चाहे वे वसुंधरा राजे हो, गजेन्द्र सिंह हो या ओम बिड़ला, के निष्ठावानों को दरकिनार कर दिया।**

बहरहाल, इन पुराने विधायकों में से लगभग 80-90 प्रतिशत के हारने की प्रबल संभावना है। पर, यह "रोग" केवल कांग्रेस विधायकों तक सीमित नहीं, लगभग तीस प्रतिशत भाजपा विधायक भी सरकार के नजदीक गिने जाते हैं, "काम" करवाने की दृष्टि से। इस दृष्टि से भाजपा को लाभ है, क्योंकि, उसको नुकसान कम होगा, पुराने विधायकों को "रिपीट" करने से।

पर जहां तक "इन्टरनल सैबोटाज" का सवाल है, वर्तमान चुनाव में यह बात भाजपा पर ज्यादा सटीक बैठती है, क्योंकि, वर्तमान मूड में भाजपा जीतने के ज्यादा नजदीक मानी जाती है, और मु.मंत्री पद के स्वप्रचारित कई उम्मीदवार हैं। इतना ही नहीं, कोई बड़ा भाजपा नेता, या नेताओं का समूह, मु.मंत्री की दौड़ में जो सशक्त माना जाता है, उसको उसकी "कॉन्स्टिटुएन्सी" में बांधे रखने और यहां तक कि हराने की अपनी तरफ से व्यवस्था की है। चाहे आमेर में सतीश पूनिया हों या तारा नगर में राजेन्द्र राठौड़, या किरोड़ी लाल मीणा, या अर्जुन मेघवाल।

अपुष्ट चर्चाओं के अनुसार, तारा नगर में नरेन्द्र बुढ़ानिया ने पिछले चुनाव में जो खर्चा किया था, उसका, दस गुना तो गत सप्ताह तक वर्तमान चुनाव में कर चुके हैं। उसे कौन "फायनैन्स" कर रहा है?

भाजपा हाईकमान केवल टिकट वितरण के बाद में जरुर अपनी निष्ठा बरकरार रखे हुए है, तथा कौन सा टिकट, क्यों और किस दवाब में, किस लिहाज में दिया, इसको भूल कर सभी उम्मीदवारों के साथ समान व्यवहार कर रहा है। टिकट वितरण में भी एक ही डण्डे से हांकते हुए किसी भी नेता को सीट बदलने का अधिकार नहीं दिया। तथा, जिस भी उम्मीदवार पर यह छाप दिखी कि, वह फलाने नेता के कोटे में है, उसे टिकट नहीं दिया गया। चाहे वसुंधरा खेमे के परनामी हों या गजेन्द्र सिंह के नजदीकी जोधपुर में या ओम बिड़ला के नजदीगी बूंदी से।

बड़ी खूबी से वसुंधरा राजे के पुराने, पक्के समर्थक परनामी, यूनुस खान, राजपाल सिंह का टिकट काटा, तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल एक दिन के दौरे पर आज राजस्थान में

तारानगर, 15 नवम्बर (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राहुल गाँधी आज 16 नवम्बर को तारानगर में आयेंगे। कांग्रेस के स्थानीय प्रवक्ता लीलाधर जोशी बांय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि "हमारे नेता राहुल गाँधी दोपहर 12 बजे हैलिकॉप्टर से बालाजी पक्का जोहड़ स्थित मैदान

- **राहुल गांधी तारा नगर (चूरु), नोहर (हनुमानगढ़) और सादुल शहर (श्री गंगानगर) में चुनावी जन सभाएं करेंगे और शाम 6 बजे बाद दिल्ली लौट जाएंगे।**

पहुंचेंगे जहां पर कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित विशाल आम सभा को सम्बोधित करेंगे। इस अवसर पर उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

BIYANI GIRLS COLLEGE
in association with
Samyak
offers
UG/PG Courses with
IAS/RAS
Helpline : +91-8696218218

प्र.मंत्री ने कहा, "राहुल मूर्खों के सरदार", कांग्रेस के दो मुख्यमंत्रियों ने दिया जवाब

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी को "मूर्खों का सरदार" कहने के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। कांग्रेस का कहना है कि ऐसी टिप्पणियों से जनतंत्र के कार्यपालक प्रमुख के कार्यालय का मान पूरी दुनिया की आंखों में गिरता है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मूर्खों का सरदार कहने पर प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ऐसी बात कहते हैं क्योंकि वे प्रतिष्ठापूर्ण पद पर हैं।

जयपुर में एक कार्यक्रम के अवसर पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा, "यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रधानमंत्री का पद प्रतिष्ठापूर्ण है। यदि कोई व्यक्ति प्रतिष्ठित पद पर होकर ऐसी बातें करता है तो उससे क्या उम्मीद की जा सकती है।"

मंगलवार को मध्य प्रदेश के बैतुल में एक चुनावी सभा में राहुल गांधी का नाम लिए बिना प्रधानमंत्री ने उनकी खिल्ली उड़ाते हुए मूर्खों का सरदार कहा, जब राहुल ने भारत में चीन के बने मोबाइल फोन के वर्चस्व की बात कही।

इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी का ईगो इतना बढ़ गया है कि, वे जनता को गाली देने लगे हैं। उन्होंने हमारे नेता को गाली दी है।**
- **असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जवाब दिया कि, राहुल अगर जनता हैं तो यह जनता किसी और ग्रह की ही है। भारत की जनता राहुल के साथ नहीं है।**
- **राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि, यह दुर्भाग्य पूर्ण है कि, इतने गरिमा पूर्ण पद पर होने के बाद भी वो इस तरह की बाते करते हैं।**

कार बेच कर नाम ट्रांसफर नहीं कराना बैंक को महंगा पड़ा

जयपुर, 15 नवंबर (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, क्रम-द्वितीय ने लोन की किश्त नहीं चुकाने के चलते जब्त की गई कार को सार्वजनिक नीलामी

- **जिला उपभोक्ता न्यायालय ने आई. डी. एफ.सी. बैंक पर 3.61 लाख रू. का हर्जाना लगाया है। बैंक ने किश्तें नहीं चुकाने पर जब्त कार बेच दी, पर, नाम ट्रांसफर नहीं कराया और फास्ट टैग भी नहीं हटाया। अदालत ने इसे सेवा दोष माना है।**

में बेचने के बाद नए खरीदार के नाम पर ट्रांसफर नहीं कराने और फास्ट टैग को नहीं हटाने को सेवा दोष करार दिया है। इसके साथ ही आयोग ने आईडीएफसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना में भी कांग्रेस नेताओं में मुख्यमंत्री पद की रेस शुरु हुई

तमाम ओपीनियन पोल्स में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी के कारण मुख्यमंत्री पद के दावेदारों की संख्या बढ़ती जा रही है, हालांकि कांग्रेस ने कोई नाम घोषित नहीं किया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के मतदान में अभी एक पखवाड़ा शेष है, लेकिन राज्य के कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री पद के लिए होड़ शुरु हो गई है।

चुनावी माहौल कांग्रेस के पक्ष में होने को लेकर चर्चाओं का बाज़ार गर्म है क्योंकि कई सर्वे ये बता रहे हैं कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है और इसके साथ ही सत्ता को लेकर एक सुपरिचित जद्दोजहद शुरु हो चुकी है।

इस संदर्भ में, कांग्रेस के सीनियर नेता एवं लोकसभा सांसद कोमाटी रेड्डी वैंकट रेड्डी की टिप्पणियों ने पार्टी को परेशानी में डाल दिया है और पार्टी के कई नेता उनके इन दावों के कारण उनसे दूरी बना रहे हैं कि कांग्रेस यदि राज्य में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **नालगोण्डा के सांसद के.आर. वेंकट रेड्डी ने तो यहाँ तक दावा कर दिया कि, कांग्रेस चुनाव जीती तो सोनिया गांधी उन्हें ही मुख्यमंत्री बनाएंगी।**
- **मुख्यमंत्री पद के सबसे सशक्त दावेदार प्रदेश अध्यक्ष रैवंत रेड्डी माने जा रहे हैं, जो ढाई साल से संघर्ष कर रहे हैं। उन्हीं के प्रयास से भाजपा को हटाकर आज कांग्रेस पार्टी सत्तारूढ़ पार्टी बी.आर.एस. को चुनौती देने वाली प्रमुख पार्टी बन गई है।**
- **मुख्यमंत्री पद के अन्य दावेदार हैं, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उत्तम रेड्डी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष मधु याशी गौड़।**

पायलट के गढ़ अजमेर में मुख्यमंत्री गहलोत नहीं दिखा सके दम, रोड शो बना फ्लॉप शो

भीड़ नहीं जुटने से नाराज़ मुख्यमंत्री आधे रास्ते में रोड शो खत्म कर सीधे सभा स्थल पहुंचे

अजमेर, 15 नवम्बर (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को अजमेर उत्तर और दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में गारंटी यात्रा के तहत रोड शो किया। मुख्यमंत्री अपने इस रोड शो से अजमेर की जनता का मूड जानना चाह रहे थे और साथ ही सचिन पायलट के गढ़ में अपनी लोकप्रियता दिखाना चाह रहे थे लेकिन अशोक गहलोत को अजमेर में ना तो आमजन का साथ मिला ना ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं का।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को गांधी भवन पर महात्मा गांधी को नमन करते हुए गारंटी यात्रा के दूसरे चरण का आगाज किया। यह यात्रा गांधी भवन से होते हुए मदार गेट, रेलवे स्टेशन, पड़ाव, केसरगंज, मार्टिंडल ब्रिज, अलवर गेट होते हुए नगरे पर एक जनसभा के रूप में समाप्त हुई।

- **सभा स्थल पर भी कार्यकर्ता नाम मात्र के नज़र आए। मुख्यमंत्री भाषण की औपचारिकता पूरी कर लौट गए।**
- **मुख्यमंत्री ने गांरटी यात्रा अभियान के तहत अजमेर उत्तर व अजमेर दक्षिण में रोड शो किया था, वे पायलट के गढ़ में अपनी लोकप्रियता दिखाना चाहते थे।**
- **लेकिन क्षेत्र की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के रोड शो को पूरी तरह से नकार दिया।**
- **रोड शो में सचिन पायलट के आने की बात थी, पर, पायलट मध्य प्रदेश के चुनावी दौरे पर होने की वजह से नहीं आए तो जनता ने भी कोई उत्साह नहीं दिखाया।**

पिछले कई दिनों से कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी इस यात्रा की तैयारियों में जोर-शोर से जुटे हुए थे। दावा किया जा रहा था कि यात्रा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राजस्थान में कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट मौजूद रहेगे। सचिन पायलट और अशोक गहलोत के एक साथ आने की चर्चा मात्र से ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर थी, लेकिन मध्यप्रदेश में चुनावी यात्रा में व्यस्त होने के कारण पायलट अजमेर नहीं पहुंचे जिससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं मे निराशा साफ देखी जा सकती थी।

अजमेर में पिछले बीस साल से लगातार हार रही कांग्रेस को अजमेर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पायलट के गढ अजमेर में मु.मंत्री गहलोत का रोड शो बुरी तरह फ्लॉप हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गारंटी यात्रा के तहत हुए रोड शो को न केवल जनता ने नकार दिया बल्कि कांग्रेस कार्यकर्ता भी गिनती के ही पहुंचे। कांग्रेस की इस यात्रा को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारियां की जा रही थीं, दावा यह था कि, इस यात्रा में मल्लिकार्जुन खड़गे भी आयेंगे और पायलट भी। मध्यप्रदेश के चुनाव कार्यक्रम में व्यस्त होने के कारण पायलट नहीं आ पाए तो स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी उत्साह नहीं दिखाया।